तिथि - 16 नवम्बर- 20 नवम्बर

कक्षा - षष्ठी

विषय - संस्कृत

कालान्श - 1

उपविषय - संप्रदान कारकः (चतुर्थी विभक्तिः)

सहायक सामग्री - ई पाठ - पाठ्यपुस्तिका

शिक्षण अधिगम – संप्रदान कारक का सामान्य परिचय तथा संज्ञा पदो के साथ संप्रदान कारक का प्रयोग। छात्र संप्रदान कारक मे संस्कृत वाक्य रचना करने मे सक्षम होगे।

BBPS,PITAMPURA

BBPS,PITAMPURA

12 सम्प्रदान-कारकः (चतुर्थी विभक्तिः)

इस पाठ में 'सम्प्रदान कारक' अर्थात् चतुर्थी विभक्ति में वाक्य-संरचना से आपका परिचय होगा।

सम्प्रदान

'सम्प्रदान' का अर्थ 'देना' होता है। जब वाक्य में किसी को कुछ दिया जाए या किसी के लिए कुछ किया जाए तो वहाँ पर सम्प्रदान कारक का प्रयोग किया जाता है। सम्प्रदान कारक का चिह्न 'के लिए' होता है, जैसे—'अम्बा पुत्राय भोजनं पचति' अर्थात् 'माँ पुत्र के लिए भोजन पकाती है'। सम्प्रदान कारक में चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है।

सम्प्रदान-कारक — रूपाणि

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुल्लिङ्ग	बालकाय (एक बालक के लिए)	बालकाभ्याम् (दो बालकों के लिए)	बालकेभ्यः (अनेक बालकों के लिए)
स्त्रीलिङ्ग	बालिकायै (एक बालिका के लिए)	बालिकाभ्याम् (दो बालिकाओं के लिए)	बालिकाभ्यः (अनेक बालिकाओं के लिए)
नपुंसकलिङ्ग	फलाय (एक फल के लिए)	फलाभ्याम् (दो फलों के लिए)	फलेभ्यः (अनेक फलों के लिए)

सम्प्रदान कारक का अर्थ करते समय 'के लिए' के स्थान पर 'को' का प्रयोग भी किया जा सकता है। जैसे—'नृपः भिक्षुकाय धनं यच्छति' अर्थात् राजा भिखारी 'के लिए' या 'को' धन देता है।

'सम्प्रदान कारक' में 'किम्' शब्द के रूपों का प्रयोग

	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
पुल्लिङ्ग	कस्मै (किस के लिए)	काभ्याम् (किन दोनों के लिए)	केभ्यः (किन सबके लिए)
स्त्रीलिङ्ग	कस्यै (किसके लिए)	काभ्याम् (किन दोनों के लिए)	काभ्यः (किन सबके लिए)
नपुंसकलिङ्ग	कस्मै (किसके लिए)	काभ्याम् (किन दोनों के लिए)	केभ्यः (किन सबके लिए)

सम्प्रदान कारक का वाक्यों में प्रयोग

धनं **कस्मै** भवति ?

धनं **दानाय** भवति।

सूर्यः **प्रकाशाय** भवति।

अभिषेकः **कस्यै** फलं यच्छति ?

सः **रमायै** फलं यच्छति।

अम्बा **रमायै** भोजनं पचति।

ईश्वरः **केभ्यः** जीवनं यच्छति ?

ईश्वरः **जीवेभ्यः** जीवनं यच्छति।

सज्जनाः **परेभ्यः** जीवन्ति।

छात्रः **कस्मै** विद्यालयं गच्छति ?

सः **पठनाय** विद्यालयं गच्छति।

राजेशः **भोजनाय** भोजनालयं गच्छति।

अध्यापकः **कस्मै** क्रुध्यति ?

अध्यापकः **छात्राय** क्रुध्यति।

छात्रः **क्रीडनाय** क्रीडाक्षेत्रं गच्छति।

धनिकः **काभ्याम्** वस्त्राणि यच्छति ?

धनिकः **सेवकाभ्याम्** वस्त्राणि यच्छति।

मेघाः **वर्षायै** भवन्ति।

पाठ का हिंदी सार

धन किसके लिए होता है ?

धन दान के लिए होता है।
सूर्य प्रकाश के लिए होता है।
ईश्वर किसके लिए जीवन देते हैं ?
ईश्वर जीवों के लिए जीवन देते हैं।
सज्जन दूसरों के लिए जीते हैं।
अध्यापक किस पर गुस्सा होता है ?
अध्यापक छात्र पर गुस्सा होता है।
छात्र खेलने के लिए खेल के मैदान में जाते हैं।

अभिषेक किसके लिए फल देता है ?

वह रमा के लिए फल देता है।
माँ रमा के लिए भोजन देती है।
छात्र किसके लिए विद्यालय जाता है ?
वह पढ़ने के लिए विद्यालय जाता है।
राजेश भोजन के लिए भोजनालय जाता है।
धनी किसके लिए वस्त्र देता है ?
धनी दो सेवकों के लिए वस्त्र देता है।
बादल बारिश के लिए होते हैं।

1. **अधोलिखितशब्दानां चतुर्थी विभक्ति रूपाणि लिखत। (निम्न शब्दों के चतुर्थी विभक्ति में रूप लिखिए।)**

Write the forms of the words given below in fourth declension.

शब्दाः	एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क) धन	.....	.....	.....
(ख) पुत्र	.....	.....	.....
(ग) अम्बा	.....	.....	.....
(घ) क्रीडा	.....	.....	.....
(ङ) ज्ञान	.....	.....	.....

2. **एकपदेन उत्तरत। (एक शब्द में उत्तर दीजिए।)**

Answer in one word.

(क) सूर्यः कस्मै भवति ? .....

(ख) अभिषेकः कस्यै फलं यच्छति ? .....

(ग) ईश्वरः केभ्यः जीवनं यच्छति ? .....

(घ) अध्यापकः कस्मै क्रुध्यति ? .....

(ङ) मेघाः कस्यै भवन्ति ? .....

3. **रञ्जितपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत। (रंगीन पदों के आधार पर प्रश्ननिर्माण कीजिए।)**

Frame the questions on basis of coloured words.

(क) धनिकः **सेवकाभ्याम्** वस्त्राणि यच्छति। .....

(ख) छात्रः **क्रीडनाय** क्रीडाक्षेत्रं गच्छति। .....

(ग) धनं **दानाय** भवति। .....

(घ) अम्बा **रमायै** भोजनं पचति। .....

(ङ) सज्जनाः **परेभ्यः** जीवन्ति। .....

4. **मञ्जूषायाः सम्प्रदानकारकस्य पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत। (मञ्जूषा से सम्प्रदानकारक के प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)**

Fill in the blanks with appropriate words choosing from the box.

मञ्जूषा—पुत्राय, छात्राय, स्वास्थ्याय, भ्रमणाय, परोपकाराय

(क) शिक्षकः ..... ज्ञानं यच्छति।

(ख) वयं ..... उद्यानं गच्छामः।

(ग) वृक्षाः ..... फलानि यच्छन्ति।

(घ) पिता ..... क्रुध्यति।

(ङ) शाकानि ..... हितकरं भवन्ति।

5. **प्रदत्तशब्दानाम् उचितं रूपं निर्माय वाक्यानि पूरयत। (दिए गए शब्दों के उचित रूप बनाकर वाक्य पूरे कीजिए।)**

Make suitable form of given words and fill in the blanks.

(क) बालकाः ..... क्रीडाक्षेत्रं गच्छन्ति। (क्रीडन)

(ख) नरौ ..... उपवनं गच्छतः। (भ्रमण)

(ग) दीपकः ..... भवति। (प्रकाश)

(घ) वृक्षाः ..... फलानि यच्छन्ति। (जन)

(ङ) लोभः ..... भवति! (विनाश)

6. अधोलिखितवाक्यानां संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत। (नीचे लिखे वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए।)

Translate the following sentences into Sanskrit.

(क) अध्यापक शिष्य को पुस्तकें देता है। .....

(ख) बालक ज्ञान के लिए पढ़ते हैं। .....

(ग) बादल जल के लिए होते हैं। .....

(घ) हम सब घूमने के लिए जाते हैं। .....

BBPS,PITAMPURA